ISSN: 2582-7219

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

Impact Factor: 8.206

Volume 8, Issue 12, December 2025

www.ijmrset.com ijmrset@gmail.com +91 6381 907 438 +91 63819 07438

© 2025 IJMRSET | Volume 8, Issue 12, December 2025| DOI:10.15680/IJMRSET.2025.0812032

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

ग्रामीण विकास में मनरेगा की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन (फिरोजाबाद जनपद के विशेष संदर्भ में)

प्रोफेसर (डॉ.) श्याम सिंह
प्रोफेसर
भूगोल विभाग,
हिंदु कॉलेज, मुरादाबाद,उ.प्र.

प्रद्युम्न कुमार
असिस्टेन्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग,
वी.आर.ए.एल, राजकीय महिला महाविद्यालय
बरेली, उ.प्र.

सारांश

शहर न केवल उत्पादन, वितरण और प्रबंधन के केंद्र बने हैं, बल्कि सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की दिशा भी तय कर रहे हैं। सम्पूर्ण आर्थिक व्यवस्था में ग्रामीण क्षेत्र विगत कई दशकों से महज कच्चे माल के स्रोत बनकर रह गए हैं। पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था जो कृषि, हस्तशिल्प, लघु कुटीर उद्योग पर निर्भर थी, वे औद्योगिकरण, शहरीकरण तथा वैश्वीकरण के आगमन के साथ समाप्त सी होती चली गई है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार कृषि नवीन तकनीक के इस्तेमाल के बावजूद संकट का सामना कर रही है। यह शोध–पत्र भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की भूमिका एवं उससे जुड़ी अपेक्षाओं का अध्ययन प्रस्तुत करता है, विशेषकर उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद के संदर्भ में। अध्ययन का उद्देश्य मनरेगा के अंतर्गत ग्रामीण रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक सशक्तिकरण एवं ग्राम स्तरीय अवसंरचना निर्माण में इसके योगदान का मूल्यांकन करना है। यह शोध सार्वजनिक आँकड़ों (मनरेगा पोर्टल व जिला रिपोर्ट) तथा सर्वेक्षण के आधार पर किया गया है। परिणाम बताते हैं कि योजना से ग्रामीण आजीविका को अल्पकालिक सुरक्षा मिली है, परन्तु रोजगार दिवस, भुगतान समयबद्धता, कार्य की गुणवत्ता एवं लाभार्थी अपेक्षाओं के बीच अभी भी पर्याप्त अंतर है।

महत्वपूर्ण शब्दावली– ग्रामीण विकास, मनरेगा योजना, रोजगार,आर्थिक दशा।

प्रस्तावना :

भारत की कुल श्रम शक्ति का करीब 60 प्रतिशत भाग कृषि एवं सहयोगी कार्यों से आजीविका प्राप्त करता है। इसके बावजूद देश के सकल घरेलू उत्पादन में कृषि का योगदान केवल 16 प्रतिशत है। निर्यात के मामले में भी इसका हिस्सा महज 10 प्रतिशत है। जनपद फिरोजाबद के ग्रामीण रोजगार के महत्वपूर्ण तथा आकर्षक क्षेत्र होने के बावजूद कृषि क्षेत्र से लोगों का पलायन जारी है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 40 प्रतिशत किसान अन्य रोजगार करना चाहते हैं। देश के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर भारी संख्या में पलायन भी ग्रामीण रोजगार की निराशाजनक तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। परन्तु खुशी की

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

बात यह है, कि सरकार की मनरेगा सहित अन्य योजनाओं ने ग्रामीण रोजगार के अवसरों को व्यापक स्तर पर बढ़ाया है। महात्मा गांधी कहते थे कि भारत की आत्मा गाँव में बसती है। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मनिर्भरता तथा स्वशासन की वकालत किया करते थे। गांधी जी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान खादी और चरखे का प्रचलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुदृढता तथा स्वनिर्भरता को ध्यान में रखकर किया। आज की स्थिति वैश्वीकरण के साथ विकास की है। तीव्र गति से आर्थिक विकास के नए आयाम को गड़ा जा रहा है, परंतु इस विकास के साथ भारी असमानता भी उजागर हुई है। ग्रामीण–शहरी, अमीरी–गरीबी के बीच का अंतर व्यापक रूप से दिखता है। आज ग्रामीण क्षेत्र विकास की राह पर शेहरों जैसा दौड़ पाने में लाचार बने हुए हैं। इस लाचारी को दूर करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने कई अहम पहल की हैं। मनरेगा योजना वर्ष 2005 में लागू हुई, ये योजना प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी देती है। फिरोजाबाद जनपद की विशेषता यह है, कि यह काँच उद्योग के लिए प्रसिद्ध है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश जनसंख्या कृषि व मजदूरी पर निर्भर है। यहाँ मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आय एवं स्थानीय विकास में एक अहम भूमिका निभा सकती है।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय :

अध्ययन क्षेत्र जनपद फिरोजाबाद की स्थिति भारत के उत्तरी क्षेत्र में स्थित उत्तर प्रदेश के पश्चिमी भाग में स्थित है। जिसका भौगोलिक विस्तार 27^0 9′ उत्तरी अक्षांश से 27^0 32′ उत्तरी अक्षांश तक तथा 78^0 24′ पूर्वी देशान्तर से 78^0 58′ पूर्वी देशान्तर तक 2362 वर्ग किमी0 क्षेत्र पर है। अध्ययन क्षेत्र को (मानचित्र 1.0) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

फ़िरोज़ाबाद जिला उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा संभाग के जिलों में से एक है। फ़िरोज़ाबाद का जिला मुख्यालय सिविल लाइन डबरई में है। इसमें पाँच तहसीलों, अर्थात् फ़िरोज़ाबाद सदर ,टूंडला ,शिकोहाबाद ,जसरना और सिरसागंज शामिल हैं। यह शहर आगरा से 40 किलोमीटर और देश की राजधानी दिल्ली से 250 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण–पूर्व की तरफ स्थित है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ यहाँ से लगभग 285 किमी पूर्व की तरफ है। फ़िरोज़ाबाद जिला के पूर्व में जनपद मैनपुरी और इटावा ,पश्चिम और दक्षिण में आगरा और उत्तर में एटा स्थित है।

फिरोजाबाद जनपद यमुना नदी के बाऐं किनारें पर बसा हुआ है, जोकि गंगा एवं यमुना नदियों द्वारा निर्मित दोआब के उपजाऊ एवं समतल मैदान का एक भाग है। जो इस दोआब के मध्य एवं पश्चिमी भाग का प्रतिनिधित्व करता है।

फिरोजाबाद जनपद का अवस्थिति मानचित्र

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

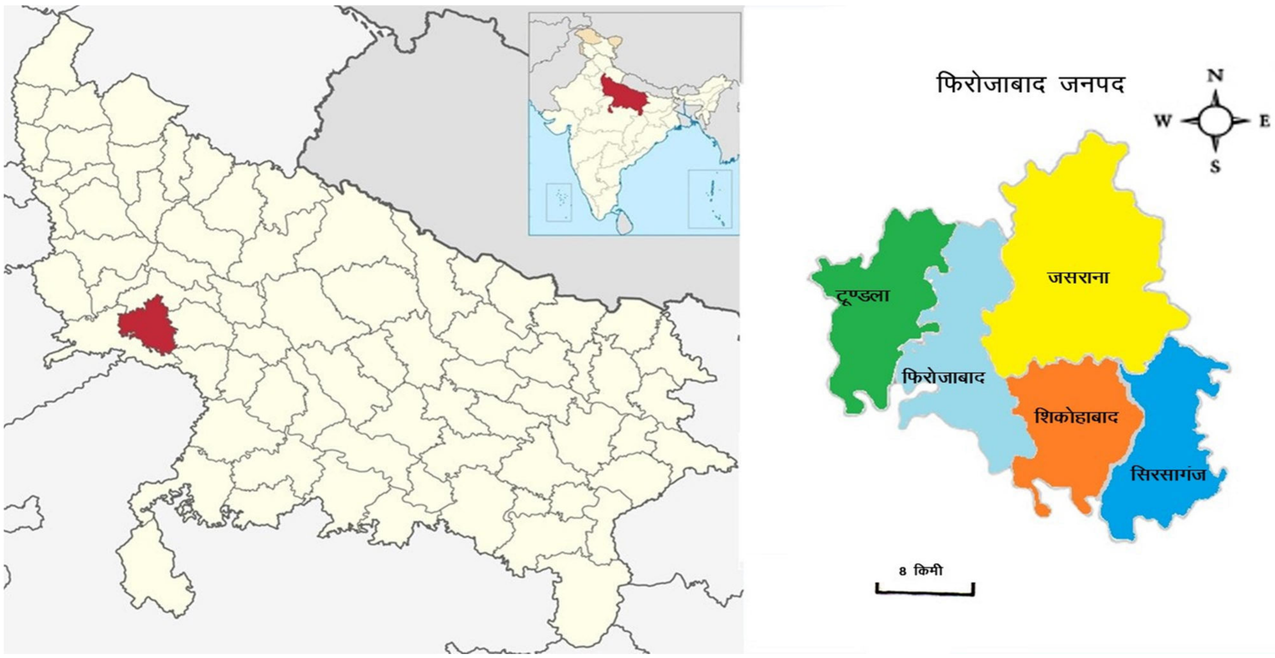

जनपद 5 तहसील, 9 विकासखण्डों में विभाजित हैं, जिसमें कुल 7 नगर केन्द्र और 806 ग्रामीण अधिवास सम्मिलित हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार फ़िरोज़ाबाद जिले की आबादी 2498156 है। जिले में जनसंख्या घनत्व 1037 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। फिरोजाबाद में प्रत्येक 1000 पुरुषों के लिए 867 महिलाओं का लिंग अनुपात है और साक्षरता दर 71.92 प्रतिशत है।

साहित्य समीक्षा :

1. श्री निवास (1977) ने इस बात पर बल दिया कि ग्रामों का पुनर्निर्माण होना चाहिये। आवश्यक सुविधाएँ तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकी के प्रयोग से श्रम तथा गहन रोजगार का अवसर बढ़ेगा तथा नगरों की ओर पलायन रोकना ग्रामीण विकास योजनाओं का दायित्व है।
2. एस.एस. कुशवाहा (1991) के द्वारा ग्रामीण विकास कार्यक्रम का सर्वेक्षण पांडिचेरी के कोहिया जिला के ग्रामों में 1989 में किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि लाभार्थी विकास कार्यक्रम का लाभ लेकर अपनी गराबी रेखा को पार कर चुके हैं।
3. चट्टोपधाय तथा डुफ्लो (2004), ने अपने शोध पत्र में बताया कि नरेगा योजना से महिलाओं की निवेष तथा कार्यो में भूमिका बढेगी । जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के साधनों का विकास होगा, तथा महिलाओं की सामाजिक तथा आर्थिक स्तरों में भी परिवर्तन होगा ।
4. कुन्दू ए, तथा सारंगी एन, (2005) ने अपने शोध में पाया कि नरेगा के क्षेत्र में श्रमिकों का अत्यधिक मात्रा में रोजगार के अवसरों के कारण ग्रामों से षहरों की ओर प्रवास कम हुआ है। जिसका प्रमुख

© 2025 IJMRSET | Volume 8, Issue 12, December 2025| DOI:10.15680/IJMRSET.2025.0812032

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)
(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

कारण नरेगा योजना से कार्यक्षेत्र में वृद्धि होना है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों तथा ग्रामीणों के सामाजिक तथा सांस्कृतिक स्तरों में भी वृद्धि हुई है।

5. थोमस,बिगी तथा भाटिया ,रूबी (2012), ने अपने षोध पत्रिका में नरेगा में शोध से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सामाजिक, सांस्कृतिक , आर्थिक तथा षैक्षिक स्थिति का वर्णन किया। अनुसूचित जाति तथा जनजातियों के जीवन स्तरों में गुणात्मक वृद्धि हुई है। इसके साथ ही इन्होने बताया कि सामाजिक,सांस्कृतिक तथा आर्थिक स्तरो में भी सुधार हुआ हैं।
6. प्रधान, संजय कुमार (2012), ने अपने शोध पत्र द्वारा बताया कि नरेगा योजना से रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। इसके साथ ही महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक स्तरों में भी सुधार हुआ है।
7. शर्मा विष्णुकान्त तथा कुमार अष्विन (2013), ने अपने शोध पत्र द्वारा बताया कि नरेगा योजना से महिलाओं में आत्मसम्मान की भावना तथा कार्यो की स्वतन्त्रता में वृद्धि हुई है। इससे सतत् विकास को बल मिला है। जिस कारण महिलाओं के जीवन स्तर में भी बदलाव आया है।

विभिन्न शोधों से ज्ञात हुआ है कि – मनरेगा ने अल्पकालिक आय सुरक्षा दी है और जल संरक्षण व ग्राम स्तरीय कार्यों में योगदान किया है। – भुगतान में देरी, पारदर्शिता की कमी और कार्य की गुणवत्ता पर सवाल बने हुए हैं। – सामाजिक ऑडिट और तकनीकी साधनों ने कुछ हद तक पारदर्शिता बढ़ाई है, पर डिजिटल साक्षरता और जागरूकता अभी भी चुनौती हैं।

उद्देश्य

1. ग्रामीण रोजगार सृजन और औसत कार्य दिवस का मूल्यांकन।
2. दैनिक पारिश्रमिक का विश्लेषण।
3. लाभार्थियों की अपेक्षाओं और संतुष्टि स्तर की जाँच।
4. नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करना।

अनुसंधान पद्धति

- प्रकार– वर्णनात्मक एवं अन्वेषणात्मक
- नमूना क्षेत्र– फिरोजाबाद जनपद के 9 ब्लॉक और चयनित 20–25 ग्राम।
- नमूना आकार– 250 परिवार।

डेटा स्रोत

1. प्राथमिक– संरचित प्रश्नावली, साक्षात्कार, फोकस ग्रुप चर्चा।
2. द्वितीयक– मनरेगा पोर्टल, जिला रिपोर्ट, नीति दस्तावेज।

विश्लेषण विधि– मात्रात्मक आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण और गुणात्मक प्रतिक्रियाओं का थीमैटिक विश्लेषण।

मनरेगा (महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम)

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

फिरोजाबाद में यह योजना पंचायत राज संस्थाओं को मजबूत करके समुदाय और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करती है। 24.01.2018 को आयोजित जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) फिरोजाबाद की बैठक का कार्यवृत्त के अनुसार जनपद का वित्तीय वर्ष 2017–18 में लेबर बजट 3221 करोड़ शासन द्वारा अनुमोदित किया गया, जिसके सापेक्ष वित्तीय वर्ष में माह दिसम्बर 2017 तक 2453 करोड़ व्यय कर 76.15 प्रतिशत वित्तीय प्रगति अर्जित की गई है। 12.77 लाख मानव दिवस के निधारित वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष माह दिसम्बर 2017 तक 10.84 लाख मानव दिवस सृजित किये गये। जो इस अविधि में निधारित मानव दिवस का 84.88 प्रतिशत है। इस वित्तीय वर्ष में 38222 परिवारों द्वारा कार्य की मांग की गई जिसके सापेक्ष में 32279 परिवारों को कार्य उपलब्ध करा दिया गया है। जनपद में कुल 267 बैंक स्थिति हैं, जिसमें मनरेगा श्रमिको के बैंक खाते हैं, जिसमें उनका मनरेगा पारिश्रमिक आता है एवं मनरेगा श्रमिक उसमें लैनदेन करते हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 में भारत कोरोना महामारी से जूझ रहा था। लॉकडाउन ने विकास की गति धीमी कर दी उद्योग बन्द होने के कारण जनपद फिरोजाबाद में शहरों से ग्रामीण प्रवास ज्यादा देखा गया फलस्वरुप बेरोजगारी के चलते लोगों ने सत्र 2021–2022 में मनरेगा योजना में रुचि दिखाई जिसके कार्यो का विवरण निम्न तालिका 2 में दर्शाया गया है।

तालिका 2

फिरोजाबाद जनपद में विकासखण्ड़वार मनरेगा कार्यो का विवरण सन–2021–22

क्र.स.	विकासखण्ड़वार	शुरु किए गये कार्य की संख्या	पूर्ण किये गये कार्य	अपूर्ण कार्य	पूर्ण कार्य प्रतिशत में
1.	अरॉव	6924	6529	395	94.3
2.	एका	9267	8690	577	93.77
3.	फिरोजाबाद	8345	7899	446	94.66
4.	जसराना	6877	6461	416	93.95
5.	खेरगढ़	8973	8330	643	92.83
6.	मदनपुर	9351	8922	429	95.41
7.	नारखी	8037	7588	449	94.41
8.	शिकोहाबाद	9154	8603	551	93.98
9.	टूण्ड़ला	8593	7978	615	92.84
कुल		75521	71000	4521	94.01

स्रोत–मनरेगा https://nregastrep.nic.in/ 17.02.2025 तालिका क्रमांक आर 6.2

उपरोक्त तालिका 2 में वर्ष 2021–22 में करोना महामारी जनपद में एक बड़ी समस्या थी, जिसमें शहर से ग्रामीण प्रवास अधिक हुआ रोजगार के अधिक अवसर को देखते हुए जनपद में कुल 75521 कार्य स्वीकृत किये गये जिसमें से 71000 पूर्ण कार्य किये गये। इन कार्यों में प्रत्येक विकासखण्ड़ में ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को कम से कम 100 दिन के अकुशल श्रम वाले

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

रोजगार की गारन्टी दी गयी है। जनपद में इस योजना के माध्यम से ग्रामीण विकास जैसे बांध बनाना, मेड़बन्दी करना, सड़क बनाना, तालाबों को खोदना इत्यादि कार्य किये गये, इन कार्यों में मदनपुर विकासखण्ड़ में सबसे अधिक कार्य 9351 स्वीकृत किये जिसमें से 8922 कार्यों को पूर्ण किया गया। इसके बाद एका विकासखण्ड़ में 9267 कार्य स्वीकृत में से 8690 कार्यों को पूर्ण किया गया। विकासखण्ड़ों में से सबसे कम कार्य जसराना विकासखण्ड़ में स्वीकृत कार्य 6877 में से 6461 कार्यों को सफलतापूर्वक किया गया।

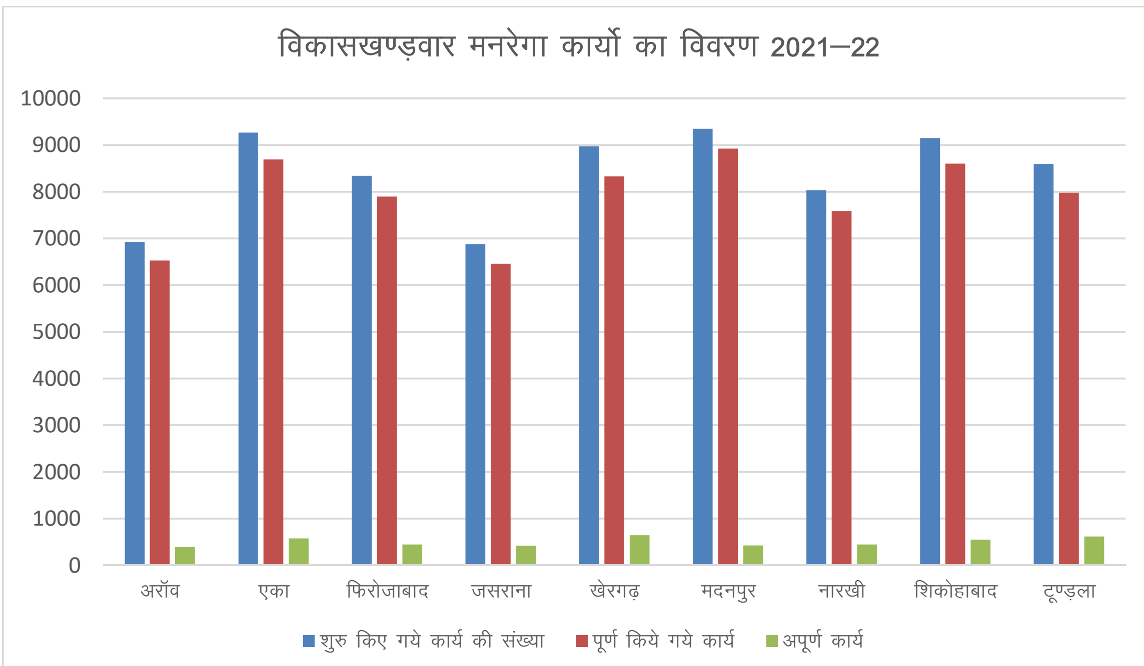

2022–2023 महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम योजना में कार्यो का विवरण निम्न तालिका 3 में दर्शाया गया है।

तालिका 3

फिरोजाबाद जनपद में विकासखण्ड़वार मनरेगा कार्यो का विवरण सन–2022–23

क्र.स.	विकासखण्ड़वार	शुरु किए गये कार्य की संख्या	पूर्ण किये गये कार्य	अपूर्ण कार्य	पूर्ण कार्य प्रतिशत में
1.	अरॉव	655	526	129	80.31
2.	एका	1559	1204	355	77.23
3.	फिरोजाबाद	1338	1161	177	86.77

© 2025 IJMRSET | Volume 8, Issue 12, December 2025| DOI:10.15680/IJMRSET.2025.0812032

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

4.	जसराना	1194	939	255	78.64
5.	खेरगढ़	1433	1066	367	74.39
6.	मदनपुर	1113	918	195	82.48
7.	नारखी	1014	726	288	71.60
8.	शिकोहाबाद	613	468	145	76.35
9.	टूण्ड़ला	970	673	297	69.38
कुल		9889	7681	2208	77.67

स्रोत्र–मनरेगा https://nregastrep.nic.in/ 17.02.2025 तालिका क्रमांक आर 6.2

उपरोक्त तालिका 3 में वर्ष 2022–23 में कुल 9889 कार्य में से कुल 7681 पूर्ण कार्य किये गये। इन कार्यों में एका विकासखण्ड़ में सबसे अधिक कार्य 1569 स्वीकृत किये जिसमें से 1204 कार्यों को पूर्ण किया गया। इसके बाद खेरगढ़ विकासखण्ड़ में 1433 कार्य स्वीकृत में से 1066 कार्यों को पूर्ण किया गया। विकासखण्ड़ों में से सबसे कम कार्य शिकोहाबाद विकासखण्ड़ में स्वीकृत कार्य 613 में से 468 कार्यों को सफलतापूर्वक किया गया।

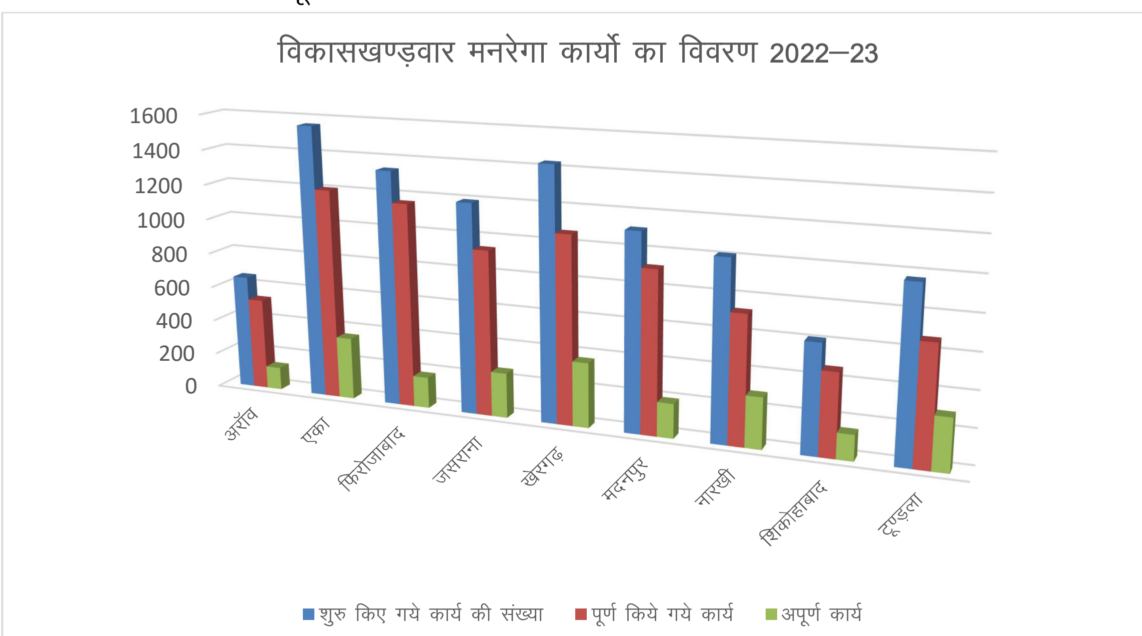

2023–2024 महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम योजना में कार्यो का विवरण निम्न तालिका 4 में दर्शाया गया है।

तालिका 4

फिरोजाबाद जनपद में विकासखण्ड़वार मनरेगा कार्यो का विवरण सन–2023–24

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

क्र.स.	विकासखण्ड़वार	शुरु किए गये कार्य की संख्या	पूर्ण किये गये कार्य	अपूर्ण कार्य	पूर्ण कार्य प्रतिशत में
1.	अरॉव	782	544	238	69.57
2.	एका	1771	1222	549	69.00
3.	फिरोजाबाद	1728	1367	361	79.11
4.	जसराना	1111	733	378	65.98
5.	खेरगढ़	1476	1077	399	72.97
6.	मदनपुर	1448	973	475	67.20
7.	नारखी	1475	1015	460	68.81
8.	शिकोहाबाद	1075	692	383	64.37
9.	टूण्ड़ला	1284	862	422	67.13
कुल		12150	8485	3665	69.84

स्रोत–मनरेगा https://nregastrep.nic.in/ 17.02.2025 तालिका क्रमांक आर 6.2

उपरोक्त तालिका 4 में वर्ष 2023–24 में कुल 12150 कार्य में से कुल 8485 पूर्ण कार्य किये गये। इन कार्यों में एका विकासखण्ड़ में सबसे अधिक कार्य 1771 स्वीकृत किये जिसमें से 1222 कार्यों को पूर्ण किया गया। इसके बाद फिरोजाबाद विकासखण्ड़ में 1728 कार्य स्वीकृत में से 1367 कार्यों को पूर्ण किया गया। विकासखण्ड़ों में से सबसे कम कार्य अरॉव विकासखण्ड़ में स्वीकृत कार्य 782 में से 544 कार्यों को सफलतापूर्वक किया गया।

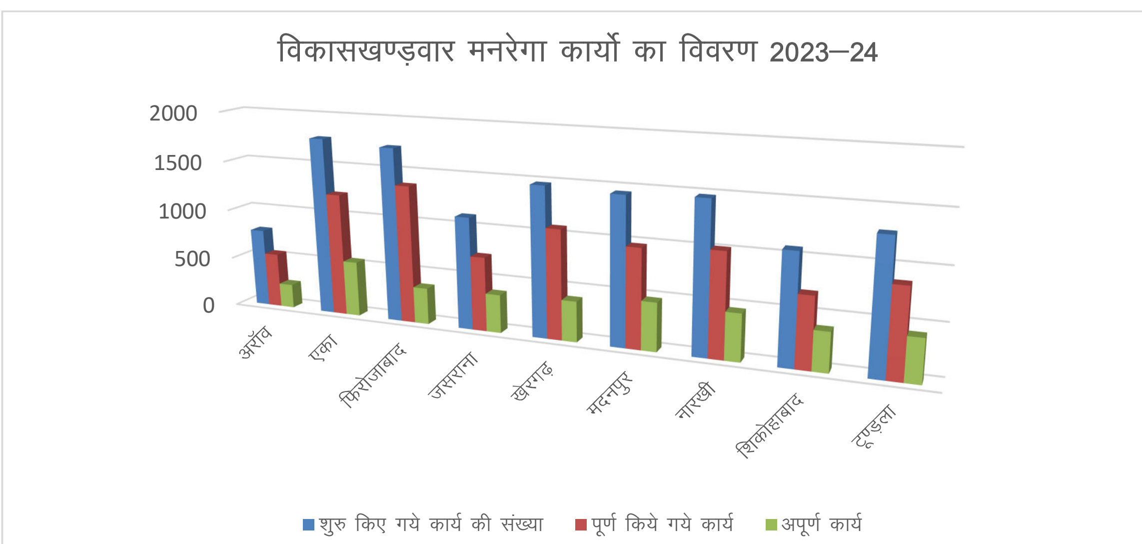

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

2024–2025 महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम योजना में कार्यो का विवरण निम्न तालिका 5 में दर्शाया गया है।

तालिका 5

फिरोजाबाद जनपद में विकासखण्ड़वार मनरेगा कार्यो का विवरण सन–2024–25

क्र.स.	विकासखण्ड़वार	शुरु किए गये कार्य की संख्या	पूर्ण किये गये कार्य	अपूर्ण कार्य	पूर्ण कार्य प्रतिशत में
1.	अरॉव	706	200	506	28.33
2.	एका	1553	712	841	45.85
3.	फिरोजाबाद	1046	400	646	38.24
4.	जसराना	1183	532	651	44.97
5.	खेरगढ़	1818	808	1010	44.44
6.	मदनपुर	1150	576	574	50.09
7.	नारखी	1435	532	903	37.07
8.	शिकोहाबाद	751	204	547	27.16
9.	टूण्ड़ला	1727	926	801	53.62
कुल		11369	4890	6479	43.01

स्रोत–मनरेगा https://nregastrep.nic.in/ 17.02.2025 तालिका क्रमांक आर 6.2

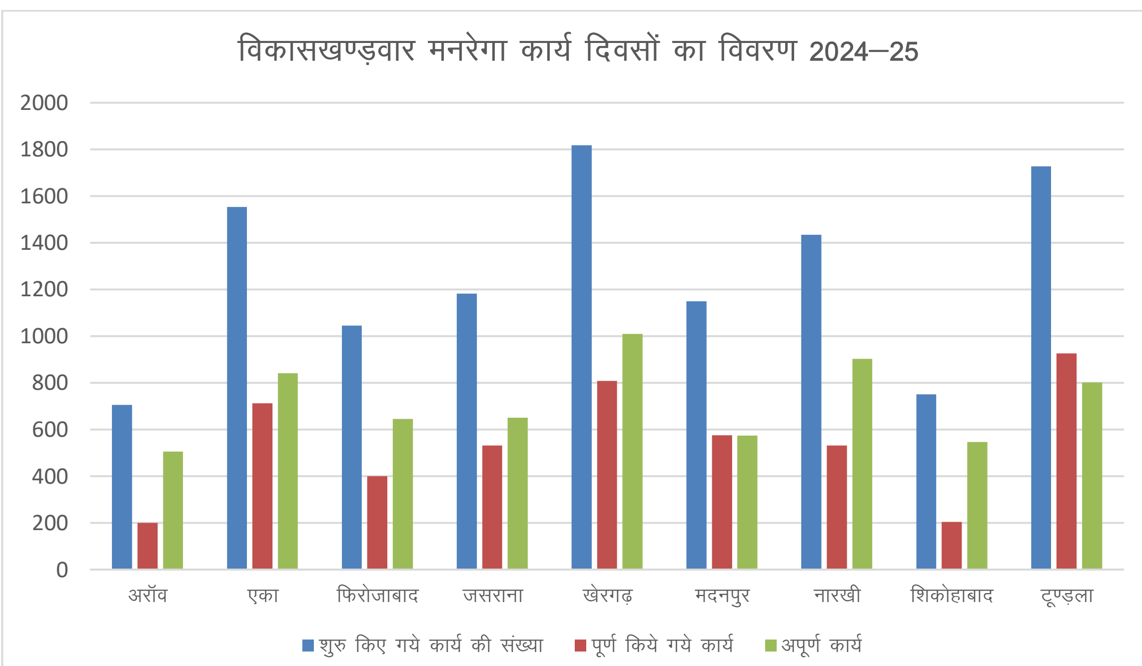

© 2025 IJMRSET | Volume 8, Issue 12, December 2025| DOI:10.15680/IJMRSET.2025.0812032

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

उपरोक्त तालिका 5 में वर्ष 2024—25 में कुल 13369 कार्य में से कुल 4890 पूर्ण कार्य किये गयें। इस सत्र में कुल पूर्ण कार्य का 43.01 प्रतिशत ही मात्र कार्य को पूर्ण किया गया। इन कार्यों में खेरगढ़ विकासखण्ड़ में सबसे अधिक कार्य 1818 स्वीकृत किये जिसमें से 808 कार्यों को पूर्ण किया गया। इसके बाद टूण्ड़ला विकासखण्ड़ में 1727 कार्य स्वीकृत में से 926 कार्यों को पूर्ण किया गया। विकासखण्ड़ों में से सबसे कम कार्य अरॉव विकासखण्ड़ में स्वीकृत कार्य 706 में से 200 कार्यों को सफलतापूर्वक किया गया।

उक्त चार वर्ष के आकड़ों से स्पष्ट है कि मनरेगा के कायों में जनपद में ग्रामीणों की रुचि 2021—22 की अपेक्षा 2024—25 में कम देखने को मिली, एवं 2021—22 में प्रवास कोरोना महामारी के कारण शहर से ग्रामीण था जो 2024—25 में ग्रामीण से शहर की ओर प्रवास देखने को मिला। जनपद फिरोजाबाद में बेरोजगार के लिए सरकार ने कई योजनाऐं चला रखीं है जिनमें प्रमुख मनरेगा योजना द्वारा बेरोजगारों को सहायता पहुँचायी जा रही है। उत्तरदाताओं से इस विषय में पूछने पर जो उत्तर प्राप्त हुए उसे तालिका 6 में दर्शाया गया है —

तालिका 6

जनपद फिरोजाबाद में मनरेगा योजना का रोजगार के अवसर में भूमिका

क्र.स.	मनरेगा योजना का रोजगार के अवसर में भूमिका	उत्तरदाता	प्रतिशत
1.	बहुत अधिक	14	5.6
2.	अधिक	18	7.2
3.	सामान्य	110	44.0
4.	कम	50	20.0
5.	बिल्कुल नहीं	58	23.2
योग		250	100

स्त्रोत; निजी सर्वेक्षण के आधार पर जनपद फिरोजाबाद 2025

© 2025 IJMRSET | Volume 8, Issue 12, December 2025| DOI:10.15680/IJMRSET.2025.0812032

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

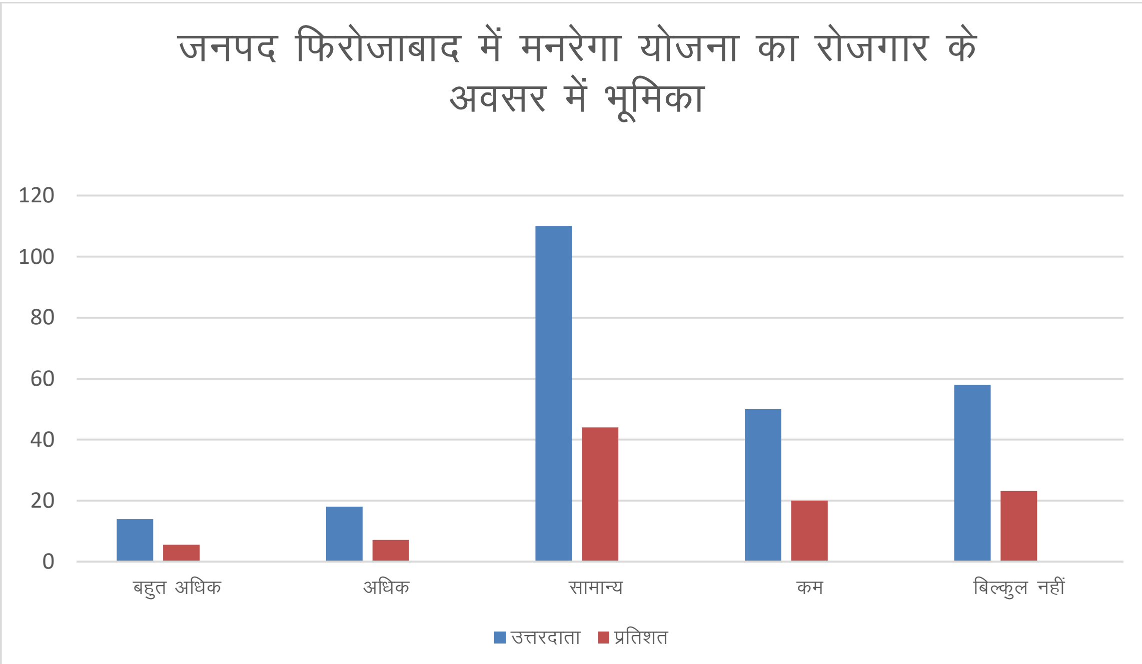

उपरोक्त तालिका 6 से स्पष्ट है कि 5.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार जनपद के बेरोजगारों को मनरेगा योजना से बहुत अधिक सहायता मिली है। 7.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार अधिक, 44 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार सामान्य, 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कम तथा 23.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार रोजगार में सहायता बिल्कुल नहीं मिली है। इस निष्कर्ष से स्पष्ट है, कि जनपद के बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार दिलाने में मनरेगा योजना की भूमिका बहुत कम सकारात्मक है। उत्तरदाताओं से मनरेगा योजना से प्राप्त दैनिक पारिश्रमिक के विषय में पूछने पर जो उत्तर प्राप्त हुए उसे तालिका 7 में दर्शाया गया है –

तालिका 7

जनपद फिरोजाबाद में मनरेगा योजना से प्राप्त दैनिक पारिश्रमिक का विश्लेषण

क्र.स.	मनरेगा योजना से प्राप्त दैनिक पारिश्रमिक का विश्लेषण	उत्तरदाता	प्रतिशत
1.	अधिक	20	8.0
2.	सामान्य	76	30.4
3.	कम	95	38.0
4.	बिल्कुल नहीं	59	23.6
योग		250	100

स्त्रोत; निजी सर्वेक्षण के आधार पर जनपद फिरोजाबाद 2025

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

उपरोक्त तालिका 7 से स्पष्ट है कि 8.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार अधिक, 30.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार सामान्य, 38 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कम तथा 23.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार रोजगार से प्राप्त दैनिक पारिश्रमिक से बिल्कुल संतुष्ट नहीं है। स्पष्ट है, कि जनपद के बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार दिलाने में मनरेगा योजना की भूमिका बहुत कम सकारात्मक है एवं प्राप्त दैनिक पारिश्रमिक से कम संतुष्ट है। जिसके कारण जनपद के लोग रोजगार के अन्य विकल्पो पर निर्भर ।

निष्कर्ष

उक्त एवं निजी सर्वेक्षण के अनुसार निम्न संभावित निष्कर्ष निकला –

- अधिकांश परिवारों को 100 दिनों का रोजगार नही मिला।
- 20–30 प्रतिशत परिवारों को भुगतान में 15–30 दिन की देरी हुई।
- कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव अपर्याप्त रहा।
- ग्रामीणों की अपेक्षाएँ – नियमित रोजगार, समय पर भुगतान, पारदर्शिता और कौशल विकास।
- सामाजिक ऑडिट एवं जनभागीदारी कमजोर रही।

फिरोजाबाद जनपद में मनरेगा ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन साबित हुआ है। इसने रोजगार सृजन, आय सुरक्षा और स्थानीय अवसंरचना निर्माण में योगदान दिया है। किंतु रोजगार दिवस, भुगतान समयबद्धता, कार्य की गुणवत्ता और अपेक्षाओं के बीच अंतर अब भी मौजूद है। यदि सुझाए गए सुधार लागू किए जाएँ तो योजना ग्रामीण विकास को और अधिक सशक्त कर सकती है।

नीतिगत सुझाव

1. भुगतान प्रणाली– ई–बैंकिंग और मोबाइल पेमेंट को सुदृढ़ कर विलंब रोकना।
2. गुणवत्ता नियंत्रण– ग्राम स्तर समिति द्वारा कार्य की निगरानी व रखरखाव।
3. जागरूकता कार्यक्रम – लाभार्थियों को योजना की जानकारी और डिजिटल साक्षरता देना।
4. कौशल विकास– कार्यों के साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण देना।
5. सामाजिक ऑडिट – ग्राम स्तर पर नियमित सामाजिक ऑडिट अनिवार्य करना।

संदर्भ सूची

1. Government of India. (2005). Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act.
2. Ministry of Rural Development. Annual Reports, MGNREGA Portal.
3. Firozabad District Official Website: https://firozabad.nic.in
4. NREGA MIS Portal: https://nregastrep.nic.in
5. Indiastat District Health Data: Firozabad MGNREGA Reports.

ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 8.206| ESTD Year: 2018|

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

(A Monthly, Peer Reviewed, Refereed, Scholarly Indexed, Open Access Journal)

6. Dreze, J. & Khera, R. (2009). Decentralised governance and MGNREGA impacts. Journal of Rural Studies.
7. Srinivas M.N.- Reflection on Rural Development Kurukshetra, June, 16, P.11,19,1977
8. कुशवाह, एस.एस.– ग्रामीण विकास न्यूजलेटर, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि भवन नई दिल्ली 1 मार्च, 1991, पृ. 4–5।
9. Chattopadhyay, Ragarbendra And Easter From Rendomised Policy Experiment in India", Duflo (2004) ,"Woman As Policy Makers Evidence Econometrica Vol-72(5) P.P 1409-1443|
10. Kundu, and Sarngi N (2005),"Performense Assessment of MNarega , operational Guidelines, 3rd Edition , New Delhi|
11. Bigi Tomas And Bhatia,Rubby (2012),"The Narega And Rural Woman' Employment Opportunities And Challenges", International Journals of Acadmic Confrence procceding, Vol.2.
12. Pardhan ,Sanjay Kumar (2012) ,"The Narega and Rural Woman , employment opportunities and Challenges," International Journal of Academic Confrence proceding.

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INNO SPACE SJIF Scientific Journal Impact Factor

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

| Mobile No: +91-6381907438 | Whatsapp: +91-6381907438 | ijmrset@gmail.com |

www.ijmrset.com